भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1169

उत्तर देने की तारीख 08.12.2025

मेरा गांव मेरी धरोहर कार्यक्रम

1169. श्री शशांक मणि :

श्रीमती अनीता शुभदर्शिनी :

श्री राजेशभाई नारणभाई चुडासमा :

श्री सुनील कुमार :

श्री महेश कश्यप :

श्री अभिमन्यु सेठी :

श्री हंसमुखभाई सोमाभाई पटेल :

श्री मितेश पटेल बकाभाई :

श्री दर्शन सिंह चौधरी :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार पूरे देश में "मेरा गांव मेरी धरोहर" (एमजीएमडी) कार्यक्रम क्रियान्वित कर रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह योजना बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में कई सांस्कृतिक विरासतों, जिन्हें एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड करना आवश्यक है, के दृष्टिगत शुरू की गई है;

(ग) पूरे देश में मेरा गांव मेरी धरोहर कार्यक्रम (एमजीएमडी) के अंतर्गत सांस्कृतिक मानचित्रण के लिए लक्षित कुल गांवों की संख्या कितनी है और अब तक एमजीएमडी वेब पोर्टल पर कितने गांवों के आंकड़े अपलोड किए गए हैं;

(घ) उक्त पहल के अंतर्गत किस प्रकार के सांस्कृतिक तत्वों और विरासत घटकों का दस्तावेजीकरण किया जा रहा है;

(ड.) इस कार्यक्रम से ग्रामीण पहचान को सुदृढ़ करने, सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने और स्थानीय आर्थिक विकास में सहायता दिए जाने संबंधी संभावना का ब्यौरा क्या है; और;

(च) क्या सरकार का ओडिशा और विशेषकर भद्रक और बालासोर जिलों में अतिरिक्त गांवों का सांस्कृतिक मानचित्रण करने का विचार है और यदि हां, तो इसमें हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है और इसके पूरा होने की अपेक्षित समय-सीमा कितनी है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी, हां।

(ख): जी, हां। बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिले के सभी 1237 गांवों का विवरण मानचित्रित करके एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

(ग): सांस्कृतिक मानचित्रण के लिए 'मेरा गांव मेरी धरोहर (एमजीएमडी)' कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे देश में 6,38,365 गांवों की पहचान की गई है, जिनमें से 6,23,449 गांवों का डेटा एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

(घ): एमजीएमडी अपने प्रलेखन कार्यकलापों के भाग के रूप में, वाचिक परंपराओं, आस्थाओं, रीति-रिवाजों, ऐतिहासिक महत्व, कला रूपों, धरोहर स्थलों, परंपरागत भोजन, प्रख्यात कलाकारों, मेलों और महोत्सवों, पारंपरिक परिधानों, आभूषणों और स्थानीय महत्वपूर्ण स्थलों सहित मूर्त और अमूर्त, दोनों प्रकार के सांस्कृतिक घटकों की व्यापक श्रेणी को कवर करता है।

(ड.): एमजीएमडी कार्यक्रम स्थानीय परंपराओं, प्रथाओं और धरोहर परिसंपत्तियों को मान्यता प्रदान करने वाले प्रामाणिक, ग्राम स्तरीय सांस्कृतिक प्रोफाइल सृजित करते हुए ग्रामीण पहचान को सुदृढ़ करता है। यह एमजीएमडी पोर्टल के माध्यम से समुदाय आधारित प्रलेखन और क्राउड सोर्स सत्यापन को सक्षम बनाते हुए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है। एकल राष्ट्रीय पोर्टल पर संरचित सांस्कृतिक डेटा की उपलब्धता सांस्कृतिक क्लस्टर विकास, विरासत पर्यटन और पारंपरिक कौशलों के संवर्धन के लिए योजना तैयार करने में सहायक सिद्ध होती है और इस प्रकार सतत आजीविका सृजन और ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान देती है।

(च): एमजीएमडी कार्यक्रम के अंतर्गत, संस्कृति मंत्रालय ने ओडिशा के गांवों के सांस्कृतिक मानचित्रण का कार्य आरंभ किया है, जिसके अंतर्गत अब तक 47,209 गांवों का मानचित्रण किया जा चुका है। भद्रक जिले के सभी 998 गांवों का विवरण मानचित्रित किया जा चुका है तथा इसे एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। इसी प्रकार, बालासोर जिले के सभी 2,798 गांवों का विवरण मानचित्रित किया जा चुका है और एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

*****